बस्तर 2026 में निश्चित रूप से सशस्त्र नक्सलवाद से मुक्त होगा –विजय शर्मा

जगदलपुर 19 मई (दण्डकारण्य समाचार) उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रविवार की सुबह सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा के दौरान बताया कि बस्तर 2026 में निश्चित रूप से सशस्त्र नक्सलवाद से मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि नक्सली बस्तर के आदिवासियों को मार रहे हैं और यही नक्सलवाद खत्म करने का मुख्य कारण है। उन्होंने 17 मार्च 2010 को हुए चिंगावरम में यात्री बस को उड़ाने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि जिसमें ग्रामीण यात्री भी मारे गए थे और आज भी उनके परिवार के लोग घटना को याद कर आंसू बहा रहे हैं। नक्सलियों द्वारा वार्ता के लिए तैयार होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि नक्सली पहले अपना हथियार डालें उसके बाद ही चर्चा संभव है । केवल पत्र लिखने से कुछ नहीं होगा।साथ ही उन्होंने यह भी कहा की चर्चा के लिए विषय भी तो होनी चाहिए । श्री शर्मा ने कहा कि हैदराबाद में बैठे लोगों से कोई चर्चा नहीं होगी बस्तर के माओवादी यदि विषय तय कर ले तो चर्चा संभव है। यदि माओवादी केंद्र सरकार से चर्चा करना चाहते हैं तो उसका भी स्वागत है। उन्होंने कहा कि माओवादियों के बच्चे बाहर विदेशों में रहकर पढ़ाई करते हैं बड़े.बड़े कोठियों में रहते हैं और वे बस्तर के बच्चों को पढ़ने देना नहीं चाहते हैं । लगभग 200 प्राथमिक विद्यालयों को नक्सलियो ने उड़ा दिया है। बस्तर के बच्चे 25 साल के होने के बाद भी टीवी नहीं देख सकते उन्हें विकास से दूर रखा जाता है। उन्होंने कहा कि करेंगुट्टा की तरह जितने भी माओवादियों के ठिकाने हैं सभी को ध्वस्त कर दिया जाएगा।इस अभियान में तेलंगाना सरकार से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के सवाल पर गृहमंत्री विजय शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें शक है कि राहुल गांधी पीठ पीछे गड़बड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद देश के सबसे बड़े संकटों में से एक है और इसमें भी राहुल गांधी की भूमिका संदिग्ध लगती है मेरे पास इसके प्रमाण मौजूद हैं, जिनके आधार पर मैं यह बात कह रहा हूं।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने सुकमा जिले के बड़े सिटी ग्राम पंचायत को माओवादी सदस्य मुक्त पंचायत घोषित किए जाने पर ग्राम पंचायत के लोगों की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अद्भुत परिश्रम और पराक्रम का प्रदर्शन किया है, जिसके चलते ग्राम पंचायत के लोगों को विकास कार्यों के लिए एक करोड रुपए स्वीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि जब ग्राम पंचायत बड़े सिटी के लोग सुकमा पहुंचकर यह जानकारी दे रहे थे तब उनके साथ मंत्री केदार कैसे भी उपस्थित थे। श्री शर्मा ने बताया कि बड़े सिटी ग्राम पंचायत के तीन पर में बिजली नहीं है एक माह के अंदर वहां बिजली की सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी साथ ही वहां पर मोबाइल कनेक्टिविटी के साथ बस सुविधा भी शुरू हो जाएगी। उन्होंने अन्य ग्राम पंचायत को भी माओवादी सदस्य मुक्त पंचायत घोषित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि इसके लिए कोई बड़े अभियान की आवश्यकता नहीं है गांव के लोग ही आपस में मिलकर उसे ग्राम पंचायत क्षेत्र में रहने वाले जनमिलिशिया सीएमएमए जनताना के लोग है तो उन्हें आत्म समर्पण कराए। इससे उन व्यक्तियों को भी छत्तीसगढ़ सरकार के पुनर्वास नीति का पूरा लाभ मिलेगा और ग्राम पंचायत को भी विकास कार्यों के लिए एक करोड रुपए स्वीकृत किए जाएंगे।

यह राशि भी ग्राम पंचायत के अंतर्गत ही होती है सारे कार्यक्रम पंचायत के द्वारा ही किया जाता है। इस दौरान महापौर संजय पांडे नगर निगम सभापति खेमसिंह देवांगन एमआईसी सदस्य योगेंद्र पांडे संग्राम सिंह राणा, लक्ष्मण झा, पार्षद नरसिंह राव, बस्तर जिला भाजपा अध्यक्ष वेद प्रकाश पांडे एवं अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

भस्केल नदी से बेखौफ रेत का अवैध खनन जारी, भारी वाहनों से सड़क को भी नुकसान

रेत माफियाओं से ग्रामीण भी परेशान

जगदलपुर, 19 मई (दण्डकारण्य समाचार)। जिले में निर्माण कार्यों के लिए रेत की जबरदस्त मांग बनी हुई है। रेत की आपूर्ति करने के लिए ठेकेदार और रेत माफिया बेखौफ होकर अवैध खनन कर रहें है। बकावंड ब्लाक के ग्राम बनियागांव के पास भस्केल नदी से रेत के अवैध खनन जारी है। रेत माफियाओं ने द्वारा बड़ी मात्रा में अवैध खनन और परिवहन किया जा रहा है। ज्यादा से ज्यादा रेत का भंडारण कर रहें हैं। वहीं रेत के इस काले कारोबार में प्रशासन की भूमिका पर भी ग्रामीण सवाल उठाने लगे हैं।

रेत माफिया तेजी से रेत खनन के लिए जेसीबी मशीन का उपयोग कर रहें है। नदी से परिवहन के लिए डंपर, ट्रकों व ट्रेक्टरों को बड़ी संख्या में लगाया गया है। रेत माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध खनन के चलते भस्केल नदी सूख चुकी है। भस्केल नदी ओड़िशा से प्रवाहित होकर इंद्रावती में मिलने से पहले करीब 100 किमी के फासले में स्थित दर्जनों गांवों के खेतों को सिंचित करती है। भस्केल नदी बकावंड विकासखंड के बनियागांव से होकर गुजरती है और दर्जनों ग्राम पंचायतों की सैकड़ो एकड़ कृषि रकबे की सिंचाई की जाती है। लेकिन रेत माफियाओं ने किसानों और ग्रामीणों को भारी नुकसान पहुंचा रहें है। नदी के सूखने से खेतों की पर्याप्त सिंचाई नहीं हो पा रही है।

सड़कों को पहुंचा रहे नुकसान

ग्राम पंचायत बनियागांव और अन्य 8- 10 गांव से होकर रेत भरे भारी भरकम ट्रक, टिप्पर एवं ट्रेक्टर चलने के कारण इन गांवों की सड़कों का बुरा हाल है। सड़कें धंस चुकी हैं, सड़कों पर असंख्य गड्ढे हो गए हैं। पैदल चलने और दोपहिया वाहन चलाने में बड़ी परेशानी हो रही है। धूल मिट्टी भी ग्रामवासियों को अलग परेशान किए हुए है।

बकावण्ड तहसीलदार की कार्रवाई, दो टिप्पर जब्त

बकावण्ड तहसील अंतर्गत इन्द्रावती नदी एवं भास्केली नदी में हो रहे अवैध रेत उत्खनन पर प्रशासन द्वारा सख्ती के बावजूद रेत माफियाओं की गतिविधियां लगातार जारी हैं। वर्षों से कुछ ठेकेदारों द्वारा ग्राम पंचायत सदस्यों और सरपंचों की मिलीभगत से अवैध उत्खनन किया जा रहा है। बकावण्ड तहसीलदार जागेश्वरी गावड़े एवं अनुविभागीय अधिकारी के संयुक्त तत्वाधान में 16 मई को कार्रवाई करते हुए दो टिप्पर अवैध रूप से रेत का परिवहन करते पकड़े गए। वाहनों को नगरनार थाना में जब्त कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इसी दिन बनियागांव क्षेत्र में भी खनिज विभाग एवं ग्राम समितियों की संयुक्त कार्रवाई में एक उत्खनन यंत्र जब्त किया गया।

बाल देखरेख संस्थाओं का सीडब्लूसी ने किया औचक निरीक्षण

- व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने कर्मचारियों को दिए निर्देश

जगदलपुर19 मई (दण्डकारण्य समाचार) किशोर न्याय अधिनियम 2015 के अंतर्गत बस्तर जिले के पंजीकृत बाल देखरेख संस्थाओं जिसमें शासकीय बाल गृह बालक बालिका गृह, खुला आश्रय गृह (बालक) बस्तर सामाजिक जन विकास समिति एवं सेवा भारती (मातृ छाया) विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी जगदलपुर का सीडब्ल्यूसी जिला बस्तर द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष नरेन्द्र पाणिग्राही ने बताया कि सभी संस्थाएं किशोर न्याय अधिनियम के नियमानुसार संचालित की जाती है देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता रखेने वाले बालकों के लिए आवासीय सुविधाओं के सम्बंध में प्रत्येक माह में कम से कम दो बार निरीक्षण किया जाता है। संस्था जिसमें विभिन्न प्रकार की पंजियों का संधारण किया जाता है समिति के सदस्यों के द्वारा समस्त पंजियों का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया एवं संस्था में वर्तमान निवासरत बालक बालिकाओं एवं कर्मचारियों से भी व्यक्तिगत चर्चा की गई एवं पूर्व निरीक्षण के दौरान संस्था के पूर्व की कमियों को भी पूर्ण कर लिया गया है। निरीक्षण के दौरान समिति ने संस्थाओं का कार्य संतोषप्रद पाया। संस्था के अधीक्षकों को निर्देशित किया गया कि वर्तमान में संस्था का कार्य संतोषप्रद है आगामी समय में समिति के निरीक्षण के दौरान भी यही स्थित संस्थाओं में कायम रहे। निरीक्षण के दौरान बाल कल्याण समिति के सदस्य संतोष जोशी रामकृष्ण ठाकुर श्रीमती धनेश्वरी वर्मा उपस्थित थे।

देर रात घर में लगी आग, लाखों का माल जलकर राख

जगदलपुर 19 मई (दण्डकारण्य समाचार) शहर के मोतीतालाब पारा स्थित एक घर मे बीती रात अचानक से एक घर मे आग लगने की सूचना पर दमकल की गाड़ी व्दारा पहुंच कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान घर का सामान पूरी तरह से जल कर खाक हो गया था। बताया जा रहा कि मोतीतालाब पारा स्थित जानकी पाणिग्राही के घर मे रात को अचानक से आग लग गई, घर के लोग किसी तरह बाहर आने के बाद आसपास के लोगो को सूचना दिया गया। आग देखते ही देखते तेजी से फैल गई, वही आसपास के लोगो ने मामले की जानकारी नगर सेना सेनानी संतोष मार्बल को देने के साथ ही कोतवाली पुलिस को भी दी। रात में ही दमकल की गाड़ियों के साथ पुलिस टीम भी पहुची। घंटो की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस दौरान घर का सारा सामान जलकर खाक हो गया।

विकास की गति को बढ़ावा दें, अर्थव्यवस्था में स्थानीय लोगों का हो लाभ – शर्मा

- स्व सहायता समूह के उत्पादों को व्यापार के लिए मार्केट तक पहुंच करवाएं सुनिश्चित
- सड़क निर्माण में गुणवत्ता का दें विशेष ध्यान -केदार

जगदलपुर 19 मई (दण्डकारण्य समाचार)। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर की पवित्र भूमि में आप सब सेवा दे रहे हैं इसलिए क्षेत्र की स्थानीय जनता को एक ऐसा सिस्टम आप दें जो क्षेत्र के विकास की गति को बढ़ावा दे, स्थानीय लोगों को मजबूत बनाएं। अर्थव्यवस्था में स्थानीय लोगों का लाभ हो, साथ ही रोजगार के अवसरों में स्थानीय लोगों को प्राथमिकता मिले। उक्त बातें उप मुख्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने जिला कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कही। इस बैठक में वनमंत्री केदार कश्यप महापौर संजय पांडेय कलेक्टर हरिस एस पुलिस अधीक्षक शलभ सिंहा, सीईओ जिला पंचायत प्रतीक जैन, वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान उप मुख्यमंत्री शर्मा ने मनरेगा के कार्यों में प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु रोजगार में मानव दिवस आंगनबाड़ी केंद्र और उचित मूल्य की दुकान निर्माण की प्रगति का संज्ञान लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन भवन कार्य का पूर्व सरपंच के द्वारा पूरा नहीं किया गया है तो उसे अन्य मद से भवन को पूरा करवाया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभार्थियों को जारी किस्त की स्थिति योजना में मृत हितग्राही के नामिमी को हस्तांतरण की स्थिति का संज्ञान लिया। विकास कार्यों में आवश्यक समानों के विक्रय हेतु स्व सहायता समूहों को दायित्व देने के भी निर्देश दिए। साथ ही समूह को हल्दी जिमी कंद पपीता उत्पादन के साथ झींगा और बतख पालन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। स्व सहायता समूह के उत्पादों को व्यापार के लिए मार्केट तक पहुंच सुनिश्चित करवाएं।मंत्री श्री शर्मा ने आदिवासी विकास विभाग द्वारा संचालित छात्रावासों में जन भागीदारी समिति गठन कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साथ ही कृषि विभाग के अधिकारी फील्ड का दौरा लगातार करें और किसानों को योजनाओं का लाभ दिलवाएं।

बैठक में वन मंत्री श्री कश्यप ने सामुदायिक वन संसाधन अधिकार समिति का गठन पर चर्चा करते हुए कहा कि समिति को वन प्रबंधन के दायित्व को पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन के तहत सामुदायिक शौचालय का उपयोग हेतु जनता को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने स्वामित योजना के क्रियान्वयन की प्रक्रिया का संज्ञान ले कर शासकीय जमीन में अवैध निवास करने वालों को तत्काल हटवाने की कार्यवाही करने कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में बने सड़कों में भारी वाहनों के आवागमन से खराब हुए सड़कों का चिन्हांकन कर प्रस्ताव देने के निर्देश दिए साथ ही सड़क निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान देने कहा।

शहर में पहली बार समाजों के बीच खेली जाएगी क्रिकेट प्रतियोगिता

- लीग मुकाबले में आमने.सामने होंगे 18 समाजों के खिलाड़ी

जगदलपुर 19 मई (दण्डकारण्य समाचार) शहर के ऐतिहासिक हाथ मैदान में 23 मई से एक अनोखी क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। सामाजिक एकता कप के नाम से खेली जा रही इस प्रतियोगिता में अलग.अलग 18 समाजों की टीमें भाग ले रही है। इस रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए टीमों को चार अलग.अलग पुलों में बांटा गया है। लीग आधार पर खेली जाने वाली इस प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर 8 टीमें क्वार्टर फाइनल राउंड में पहुंचेंगी। प्रतियोगिता में आदिवासी समाज, सिख समाज, श्वेतांबर जैन समाज, मुस्लिमसमाज, कोस्टा समाज, उत्कल समाज, आंध्र समाज, देवांगन समाज, आधुनिक ब्राह्मण समाज, पंजाबी सनातन धर्म सभा, यादव समाज, बंगीय समाज, सिंधी समाज, गुजराती समाज, मसीह समाज, दिगंबर जैन समाज, कायस्थ समाज और साहू समाज की ओर से टीम उतारी गई है। पत्रकार वार्ता में आयोजन समिति की ओर से उपस्थित पदाधिकारीयों ने बताया कि शहर में लगभग 70 से अधिक समाजों से जुड़े लोग आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रहते हैं। इसी एकता और भाईचारे को और भी मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य के साथ जगदलपुर और बस्तर ही नहीं बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ में यह पहली बार हो रहा है कि अलग.अलग समाजों को एक मंच पर लाकर खेल प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए और भी समाजों की टीमें उत्सुक हैं, परंतु आने वाले मानसून को ध्यान में रखते पहले सीजन में पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर सिर्फ 18 टीमों को प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर दिया गया है। सीजन.1 की सफलता के आधार पर अगले साल होने वाले सीजन. 2 में और भी समाजों की टीमों को प्रतियोगिता में प्रवेश दिया जाएगा। चेंबर भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सामाजिक एकता कप का अनावरण भी किया गया। पत्रकार वार्ता में आयोजन समिति की घोषणा भी की गई जिसमें संरक्षक मंडल में खेमसिंह देवांगन, अब्दुल समीर सुब्बा राव, बलराम यादव, रोजवीन दास, अतुल जैन को रखा गया है। अध्यक्ष पद पर अमरीक सिंह सचिव. नविन बोथरा, उपाध्यक्ष. हाजी वसीम खान, मनीष मूलचंदानी एवं विवेक कपूर, कोषाध्यक्ष . मनोज महापात्र, सह.कोषाध्यक्ष. नितिन साव एवं सह.सचिव की ज़िम्मेदारी डी.कोटेश्वर राव नायडू और मनोज मूलचंदानी को सौंपी गई है। इसी तरह वैभव पांडेय, धर्मेंद्र देवांगन, अनुप जैन, लखन साहू, ब्रिजेश शर्मा, प्रतिक नायडू, धीरज सेठी, अजय श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, डेनियल स्वामी, मनीष सिरील, नेल्वीन दास, उमेश भानुशाली, राकेश बोथरा, अच्युत सामंत, आलोक साव और राजेश राव को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है।

बच्चे को बचाने जब बाघ से भिड़ गया भालू

जगदलपुर 19 मई (दण्डकारण्य समाचार) आज के आधुनिक युग में लोग जानवरों को देखने समझने अपने बच्चों को चिड़ियाघर लेकर जाते हैं, लेकिन खूंखार जानवरों में झड़प बस्तर में आज भी आम है। अबूझमाड़ के पांगुड़ क्षेत्र में जंगलों के बीच सड़क का निर्माण हो रहा है। बाघ के सामने मादा भालू के शक्ति प्रदर्शन का ये वीडियो एक ग्रामीण ने उस दौरान बनाया है। अपने बच्चे की रक्षा के लिए देखिये एक माँ कैसे बाघ से भिड़ गयी और उसे भागने को मजबूर कर दिया। माँ से बड़ी कोई योद्धा नहीं ।

प्रसिद्ध लेखक शानी की जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

जगदलपुर 19 मई (दण्डकारण्य समाचार)। शहर में जन्मे प्रसिद्ध लेखक गुलशेर खान शानी की जयंती पर प्रगतिशील लेखक संघ द्वारा संगोष्ठी का आयोजन 16 मई को स्थानीय जिला ग्रंथालय में किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में जगदीश चंद्र दास ने शानी का संक्षिप्त जीवन परिचय और उनकी रचनाओं की जानकारी दी। इसके बाद खुदेजा खान ने शानी जी की पुत्री सूफ़िया द्वारा प्रेषित आत्मीय संस्मरण को सुनाया जिसमें उन्होंने अपने पिता शानी के पूरे जीवन को संघर्षपूर्ण बताया और कहा कि वे ग़ालिब और मीर की शायरी से बहुत प्रभावित थे।

अपने कथा, उपन्यास के पात्रों के लिए वे विशेष और यथार्थवादी नज़रिया रखते थे। जगदलपुर के लिए उनके मन में गहरी आत्मीयता थी। करमजीत कौर ने काला जल उपन्यास को यथार्थवादी और विशिष्ट बताया। हिमांशु शेखर झा ने शानी को प्रकृति और मानवीय जीवन सम्बन्धों का कुशल चितेरा लेखक कहा।

सुभाष पांडे ने कहा कि शानी का उपन्यास काला जल गूढ़ निहितार्थों की रचना है। सुभाष पांडे ने नदी और नदियों की दुर्दशा पर केंद्रित अपनी कविताओं को श्रोताओं के समक्ष रखा और प्रशंसा पाई। सुषमा झा ने शानी को अपना प्रिय रचनाकार कहा।मदन आचार्य ने शानी के उपन्यास नदी और सीपियों को केंद्रित कर अपने विचार रखे। शानी की सृजन यात्रा पर अपना वक्तव्य रखते हुए योगेन्द्र मोतीवाला ने शानी को गहरे सामाजिक सरोकारों का कथाकार कहा। उन्होंने शानी को मुस्लिम समाज के यथार्थ का चित्रण करने वाला पहला लेखक बताया। उनकी कहानियों .उपन्यासों में बेवाओं, बच्चों और ग़रीब बेसहारों के लिए गहरी संवेदना है। रचनाओं में प्रकृति का सूक्ष्म चित्रण भी उन्हें विशिष्ट बनाता है। राजेश सेठिया ने शानी को ऐसा लेखक कहा जिनकी रचनाओं में बौद्धिक शुष्कता नहीं है वरन् उनकी रचनाएं विशिष्ट मानवीय संबंधों को गहरे तक रेखांकित करती हैं।

अली एम.सैयद ने शानी की समुदायगत विशिष्ट रचनाशीलता का उल्लेख किया। एम ए रहीम ने शानी जी से जुड़े आत्मीय संस्मरण सुनाए। इस कार्यक्रम में प्रकाश चंद्र जोशी गायत्री आचार्य, जोगेश्वरी आचार्य, रामेश्वर प्रसाद चंद्रा, धनंजय बामने भी शामिल थे। संचालन जगदीश चंद्र दास ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में लाला जगदलपुरी केन्द्रीय पुस्तकालय के नोडल अधिकारी अखिलेश मिश्रा और प्रभारी अधिकारी सूरज निर्मलकर का विशिष्ट सहयोग रहा।